

---

rAhumangalastotram

——  
राहुमङ्गलस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : rAhumangalastotram

File name : rAhumangalastotram.itx

Category : navagraha, mangala

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : Page 501 bRihadstotramALA

Acknowledge-Permission: Shri Tripursundari Ved Gurukulam, Sahibabad (Ghaziabad), UP

Latest update : March 24, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 18, 2022

*sanskritdocuments.org*

---



राहुमङ्गलस्तोत्रम्



राहुः सिंहलदेशजश्च निर्ऋतिः कृष्णाङ्गशूर्पासनो ।

यः पैठीनसिगोत्रसम्भवसमिद्धूर्वामुखो दक्षिणः ॥ १ ॥

यः सर्पाद्यधिदैवते च निर्ऋतिः प्रत्याधिदेवः सदा ।

षड्विंशः शुभकृच्च सिंहिकसुतः कुर्यात्सदा मङ्गलम् ॥ २ ॥

प्रार्थना

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम् ।

पूजां नैव हि जानामि क्षमस्व परमेश्वर ॥

मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर ।

यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे ॥

महाशिरा महावक्रो दीर्घदंष्ट्रो महाबलः ।

अतनुश्चोर्ध्वकेशश्च पीडां हरतु मे तमः ॥

अनया पूजया राहुः प्रीयताम् ।

ॐ राहवे नमः ॐ तमसे नमः ॐ सौहिकाय नमः । ॐ

शान्तिः ॐ शान्तिः ॐ शान्तिः ॐ ॥

इति श्रीराहुमङ्गलस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by PSA Easwaran

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

